राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान,
उत्तराखण्ड
National Institute of Technology,
Uttarakhand

Media Coverage

September 2022

गणपति भजनों से गुंजायमान हुआ एनआइटी परिसर

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल: छात्र कल्याण अनुभाग के तत्वावधान में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान श्रीनगर परिसर में पूर्ण भव्यता और गरिमा के साथ गणेश चतुर्थी महोत्सव शुरू हो गया। एनआइटी निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने संस्थान परिवार की ओर से मंत्रोच्चारण के मध्य भगवान गणेश की प्रतिमा को पूजा स्थल पर प्रतिष्ठित किया। महोत्सव को लेकर छात्रों में उत्साह देखा जा रहा है, संस्थान परिसर गणपति के भजनों से गूंज रहा है। यह कार्यक्रम एक हफ्ते तक चलेंगे, जिसमें प्रतिदिन सुबह विशेष पूजा-अर्चना व शाम को आरती और भजन होंगे।

गणेश महोत्सव में एनआइटी निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन से आध्यात्मिक जागरण भी होता है, जो हमें मिलजुल कर सद्भाव के साथ सही राह पर चलने की प्रेरणा देता है। प्रो. ललित अवस्थी ने कहा हमें ऐसी व्यवस्था अपनानी होगी कि प्रकृति की रक्षा भी हो। छात्र कल्याण के डीन और कुलसचिव डा. धर्मेंद्र त्रिपाठी, कल्चरल एंड फाइन आर्ट्स क्लब के समन्वयक डा. नितिन शर्मा, डा. कुलदीप सिंह भी मौजूद थे।

अमर उजाला, शुक्रवार, 02 सितम्बर 2022

एनआईटी व एमआरएसपीटीयू के बीच करार

श्रीनगर। महाराजा रणजीत सिंह पंजाब तकनीकी विश्वविद्यालय (एमआरएसपीटीयू) बठिंडा (पंजाब) और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) उत्तराखंड में शैक्षिक और शोध कार्यों के लिए एमओयू (समझौता ज्ञापन) हुआ है। एमओयू बठिंडा में हुआ।

एनआईटी के निदेशक ललित कुमार अवस्थी ने बताया कि यह एमओयू दोनों संस्थानों के लिए फायदेमंद होगा। इससे छात्रों और संकाय सदस्यों को एक दूसरे के संस्थान में कम अवधि के लिए जाने का अवसर मिल सकेगा। साथ ही इस एमओयू के तहत छात्रों को दोनों संस्थानों में उपलब्ध संसाधनों और विशेषज्ञता का भी लाभ मिलेगा। एमओयू में विभिन्न क्षेत्रों में शोधार्थियों का संयुक्त पर्यवेक्षण, शैक्षणिक सम्मेलनों, कार्यशालाओं और संगोष्ठियों आदि का संयुक्त आयोजन भी शामिल है।

एमओयू पर एनआईटी के निदेशक ललित कुमार अवस्थी व शोध एवं परामर्श विभाग के डीन डॉ. हरिहरन मुथुसामी और एमआरएसपीटीयू के कुलपति प्रो. बूटा सिंह सिद्धू व डीन एकेडमिक डॉ. कवलजीत सिंह संधू के हस्ताक्षर हैं। संवाद

दैनिक जागरण, शुक्रवार, 02 सितम्बर 2022, Page No.02.

एनआइटी-पीटीयू मिलकर करेंगे शोध

पंजाब तकनीकी विवि भटिंडा के कुलपति सम्मेलन कक्ष में हुआ कार्यक्रम

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल: राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआइटी) उत्तराखंड श्रीनगर और महाराजा रणजीत सिंह पंजाब तकनीकी विश्वविद्यालय भटिंडा अब शोध कार्यों के साथ ही उच्च शिक्षा के क्षेत्र में मिलकर कार्य करेंगे। इसके लिए दोनों संस्थानों के मध्य एक समझौता (एमओयू) हुआ है। पंजाब तकनीकी विवि भटिंडा के कुलपति सम्मेलन कक्ष में एनआइटी उत्तराखंड के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी और रिसर्च एंड कंसलटेंसी विभाग के डीन डा. हरिहरन मुथुस्वामी ने पंजाब तकनीकी विवि के कुलपति प्रो. बूटा सिंह सिद्धू और वहां के डीन एकेडमिक अफेयर्स डा. कंवलजीत सिंह संधू ने इस एमओयू में हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर एनआइटी श्रीनगर और पंजाब तकनीकी विवि के अन्य उच्चाधिकारी और वरिष्ठ शिक्षक भी उपस्थित थे।

शिक्षण और शोध कार्यों को लेकर हुए एमओयू को बताते एनआइटी श्रीनगर के निदेशक बायें प्रो. ललित कुमार अवस्थी और पंजाब तकनीकी विवि के कुलपति प्रो. बूटा सिंह सिद्धू ● साभार संस्थान

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड के निदेशक प्रो. अवस्थी ने कहा कि इस एमओयू से दोनों संस्थानों के छात्रों और संकाय सदस्यों के मध्य अकादमिक और अनुसंधान सहयोग तेजी से बढ़ेगा, जिसका सीधा लाभ समाज को मिलेगा। प्रो. अवस्थी ने कहा कि एमओयू हो जाने से दोनों संस्थानों में उपलब्ध संसाधनों और विशेषज्ञता का लाभ भी छात्रों को मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस एमओयू के माध्यम से नई शिक्षा नीति के उद्देश्यों को भी तेजी से क्रियान्वित करने में सहयोग मिलेगा। प्रो. अवस्थी ने कहा कि भविष्य में होने वाले शैक्षिक सम्मेलनों, कार्यशालाओं और संयुक्त पर्यवेक्षण का लाभ भी शोधार्थी को मिलेगा।पंजाब तकनीकी विवि भटिंडा के कुलपति प्रो. बूटा सिंह सिद्धू ने कहा कि एनआइटी उत्तराखंड श्रीनगर विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। एनआइटी श्रीनगर में उच्चस्तरीय शोध और अध्ययन के लिए एक मजबूत और अनुकूल वातावरण भी है, जिसका लाभ पंजाब तकनीकी विवि के छात्रों और फैकल्टियों को मिलेगा। इस अवसर पर पंजाब केंद्रीय विवि के कुलपति प्रो. आरपी तिवारी और पंजाब तकनीकी विवि के कुलसचिव डा. गुरिंदर पाल सिंह बराड़ भी उपस्थित थे।

हिन्दुस्तान, शुक्रवार, 02 सितम्बर 2022, Page No.06.

एमओयू से छात्रों को लाभ मिलेगा: अवस्थी

श्रीनगर, संवाददाता। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान(एनआईटी) उत्तराखंड श्रीनगर और महाराजा रणजीत सिंह पंजाब तकनीकी विश्वविद्यालय, बठिंडा, पंजाब(एमआरएसपीटीयू) के बीच एक समझौता ज्ञापन(एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

इस एमओयू पर एनआईटी के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी और डॉ. हरिहरन मुथुसामी, डीन (रिसर्च एंड कंसल्टेंसी) तथा एमआरएसपीटीयू के वाइस चांसलर प्रो. बूटा सिंह सिद्धू, डीन एकेडमिक अफेयर्स डॉ. कवलजीत सिंह संधू ने

एनआईटी उत्तराखंड और एमआरएसपीटीयू के बीच गुरुवार को हुआ एमओयू ।

हस्ताक्षर किए। दोनों शैक्षणिक संस्थानों के अधिकारियों ने एक संयुक्त बयान जारी किया और कहा कि इस द्विपक्षीय समझौते में छात्रों और संकाय सदस्यों को अकादमिक और अनुसंधान का लाभ मिलेगा। एनआईटी निदेशक प्रो. अवस्थी ने कहा कि इस एमओयू से छात्रों को लाभ मिलेगा।

दैनिक जागरण, मंगलवार, 06 सितम्बर 2022, Page No.05.

श्रीनगर और सुमाड़ी होंगे एनआइटी के दो परिसर

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल: राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड श्रीनगर (एनआइटी) श्रीनगर और सुमाड़ी दो परिसरों में संचालित होगा। एनआइटी के बोर्ड आफ गवर्नर्स के चेयरमैन आरके त्यागी की अध्यक्षता में हुई बीओजी की बैठक में इन दो परिसरों के संचालन को स्वीकृति दे दी है। इसके बाद अब भविष्य में एनआइटी श्रीनगर के साथ ही सुमाड़ी में भी संचालित होगा।

एनआइटी के सुमाड़ी परिसर में निर्माणाधीन पानी का बड़ा टैंक ● जागरण

एनआइटी के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने एनआइटी के इन दो परिसरों को स्वीकृति मिलने की पुष्टि करते हुए बताया कि बीओजी के निर्णय के बाद सुमाड़ी में एनआइटी परिसर के निर्माण में और तेजी लाने के लिए प्रयास प्राथमिकता से तेज कर दिए हैं। निर्माणदायी संस्था एनबीसीसी के प्रबंध निदेशक से भी उन्होंने इस संबंध में वार्ता कर सुमाड़ी में निर्माण कार्यों को शीघ्र शुरू करने को कहा है। एनआइटी परिसर के लिए पेयजल की व्यवस्था को लेकर सुमाड़ी में पानी के टैंक का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। एनआइटी निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि सुमाड़ी परिसर में 1250 छात्र-छात्राओं की जरूरत के अनुसार निर्माण कार्य कराए जा रहे हैं। प्रथम चरण में 60 एकड़ भूमि पर निर्माण कार्य शीघ्र शुरू होने जा रहा है। प्रो. अवस्थी ने कहा कि सुमाड़ी में एनआइटी परिसर निर्माण को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय से 597 करोड़ रुपए स्वीकृत हो चुके हैं। जिसके वहां विभागीय भवनों के निर्माण के साथ ही हास्टल और आवासीय परिसर का भी निर्माण हो जा रहा है।

एनआइटी के श्रीनगर परिसर में छात्र-छात्राओं के लिए सुविधाओं का विस्तार भी तेजी से किया जा रहा है। एनआइटी निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि श्रीनगर परिसर में लगभग 600 छात्र-छात्राओं के लिए उच्च स्तर की अध्ययन सुविधाएं स्थापित की जा रही हैं। जिसके लिए पुराने रेशम फार्म वाले क्षेत्र में चार हास्टलों और अन्य सुविधाओं का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। हास्टल के दो ब्लाक सितंबर अंतिम सप्ताह तक एनआइटी प्रशासन को उपलब्ध हो जाने की उम्मीद है। नआइटी निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि श्रीनगर परिसर में द्वितीय चरण के निर्माण कार्यों में आडिटोरियम के निर्माण के साथ ही निदेशक, कुलसचिव और संकाय अध्यक्ष कार्यालयों का निर्माण कार्य करवाने के साथ ही कक्षाओं का भी निर्माण कार्य होगा।

दैनिक जागरण, शनिवार, 10 सितम्बर 2022, Page No.02.

प्लेसमेंट औसत पैकेज 13 लाख पार

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल : राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआइटी) उत्तराखंड श्रीनगर के छात्र-छात्राओं को बेहतर प्लेसमेंट को लेकर शिक्षासत्र 2022-23 में आकर्षक पैकेज मिलने लगे हैं। पिछले वर्षों के आठ-नौ लाख के औसत पैकेज की तुलना में संस्थान के छात्रों को अब प्लेसमेंट को लेकर औसत पैकेज 13 लाख से अधिक मिलने लगे हैं।

संस्थान के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी की विशेष पहल और कार्ययोजनाओं से स्टार्टअप क्षेत्र में भी एनआइटी लगातार कीर्तिमान स्थापित करता जा रहा है। कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग की अंतिम वर्ष की छात्रा पूर्वी गोयल को 16 लाख रुपये प्रतिवर्ष के पैकेज के साथ ही अगले सेमेस्टर को लेकर 50 हजार प्रतिमाह की इंटर्नशिप भी प्राप्त हुई है। निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने बताया कि कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग विभाग के ही दो छात्रों अनुपम पंवार और सचिन शाह को 10 लाख रुपये प्रतिवर्ष पैकेज के साथ प्लेसमेंट मिला है। चार छात्रों को 25 हजार प्रतिमाह की इंटर्नशिप का आफर प्राप्त हो चुका है। निदेशक प्रो. अवस्थी ने कहा कि अगस्त 2022 से दिसंबर 2022 तक संचालित हो रहे वर्तमान सेमेस्टर के पांच छात्रों को भी विभिन्न कंपनियों द्वारा प्रशिक्षु के रूप में चुना जा चुका है। जो संस्थान की उच्च गुणवत्तापरक शिक्षण व्यवस्था और छात्रों की प्रतिभा को भी दर्शाता है। एनआइटी निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने छात्रों से कहा कि उन्हें बी टेक अध्ययन के दौरान अपने दूसरे वर्ष में ही करियर के बारे में निर्णय ले लेना चाहिए। प्रभारी कुलसचिव डा. धर्मेंद्र त्रिपाठी के साथ ही डा. कृष्ण कुमार, डा. हरिहरन मुथुस्वामी ने भी आकर्षक पैकेज के साथ प्लेसमेंट प्राप्त करने वाले छात्रों को बधाई देते हुए विचार व्यक्त किए।

छह छात्र स्मार्ट इंडिया हैकथान के ग्रैंड फाइनल में

एनआइटी उत्तराखंड श्रीनगर के बीटेक अंतिम वर्ष के छह छात्रों की टीम ने स्मार्ट इंडिया हैकथान 2022 के ग्रैंड फाइनल में प्रवेश कर लिया है। एनआइटी निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि संस्थान की फैकल्टी, अधिकारियों, कर्मचारियों और छात्रों के लिए भी यह गर्व की बात है। आइआइटी गुवाहाटी द्वारा हैकाथान प्रतियोगिता संचालित की जा रही है। प्रो. अवस्थी ने कहा कि पाठ्यक्रम तैयार कर शिक्षण कार्य भी प्रभावी ढंग से शुरू कर दिया गया है।

राष्ट्रीय सहारा, शनिवार, 10 सितम्बर 2022, Page No.05.

एनआईटी श्रीनगर के तीन छात्रों को मिला प्लेसमेंट

श्रीनगर/एसएनबी। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान श्रीनगर उत्तराखंड़ के तीन छात्रों को प्लेसमेंट मिला है। संस्थान के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने चयनित छात्रों को बधाई और शुभकामनाएं दी है। इस मौके पर ने संस्थान में छात्रों के प्लेसमेंट की जानकारी देते हुए प्रो.अवस्थी ने कहा कि अगस्त के अंतिम सप्ताह में बीटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के दो छात्रों, अनुपम पंवार और सचिन शाह को 10 लाख रुपये प्रतिवर्ष के पैकेज के साथ चुना गया है और चार छात्रों को 25 हजार रुपये प्रतिमाह के साथ इंटर्नशिप की पेशकश की गई है।

सितम्बर के पहले सप्ताह में पूर्वी गोयल को 16 लाख रुपये प्रतिवर्ष के पैकेज के साथ अगले सेमेस्टर के लिए 50 हजार रुपये प्रतिमाह की इंटर्नशिप भी प्राप्त हुई है। इसके अलावा अगस्त 2022 से दिसम्बर 2022 तक वर्तमान सेमेस्टर के लिए 05 छात्रों को पहले से ही प्रशिक्षु के रूप में चुना जा चुका है। अभी तक सत्र 2022-23 के दौरान प्लेसमेंट का औसत पैकेज लगभग 13 लाख रुपये प्रतिवर्ष है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस साल संस्थान का औसत पैकेज और प्लेसमेंट पिछले साल के मुकाबले बेहतर रहेगा। इसके साथ ही प्रो. अवस्थी ने आवश्यक शैक्षणिक और अनुसंधान संबंधी गतिविधियों जैसे दीक्षांत समारोह का हर वर्ष आयोजन करने, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को लागू करने, परियोजनाओं को लिखने और बाहरी फंडिंग एजेंसियों को पेटेंट दाखिल करने और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठित संगठनों के साथ सहयोग पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि संस्थान का तीसरा दीक्षांत समारोह सितम्बर 2022 के अंतिम सप्ताह के दौरान निर्धारित है। इसके अलावा प्रो. अवस्थी ने बताया कि बी.टेक अंतिम वर्ष के 6 छात्रों की टीम ने आईआईटी गुवाहाटी में आयोजित स्मार्ट इंडिया हैकथॉन 2022 के ग्रेंड फाइनल के लिए क्वालीफाई किया और भाग लिया।

अमर उजाला, शनिवार, 10 सितम्बर 2022, Page No.06.

एनआईटी की पूर्वी को 16 लाख रुपये का पैकेज

इंटर्नशिप के दौरान मिलेंगे 50 हजार रुपये

संवाद न्यूज एजेंसी

श्रीनगर। एनआईटी (राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान) उत्तराखंड की छात्रा पूर्वी गोयल का एक प्रतिष्ठित कंपनी में 16 लाख रुपये प्रतिवर्ष के पैकेज पर चयन हुआ है।

साथ ही उन्हें सेमेस्टर की पढ़ाई पूरी होने तक इंटर्नशिप के दौरान प्रतिमाह 50 हजार रुपये मिलेंगे।

श्रीनगर स्थित एनआईटी उत्तराखंड के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने बताया कि हर महीने कंपनियों की ओर से कैंपस सिलेक्शन किया जा रहा है।

इससे पूर्व गत अगस्त माह के अंतिम सप्ताह में बीटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के दो छात्रों अनुपम पंवार और सचिन साह को 10 लाख रुपये प्रतिवर्ष के पैकेज के साथ चुना गया है जबकि चार छात्रों को 25 हजार रुपये प्रतिमाह की इंटर्नशिप की पेशकश की गई है।

उन्होंने बताया कि अभी तक सत्र 2022-23 के दौरान छात्र-छात्राओं को प्रतिवर्ष 13 लाख रुपये के औसत पैकेज पर प्लेसमेंट मिला है। प्रो. अवस्थी और प्रभारी कुलसचिव डॉ. धर्मेंद्र त्रिपाठी ने सभी चयनित छात्रों को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

हिन्दुस्तान, शनिवार, 10 सितम्बर 2022,

एनआईटी के छात्रों को मिला लाखों का पैकेज

श्रीनगर। एनआईटी श्रीनगर के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने बताया कि प्लेसमेंट के जरिए संस्थान के बी.टेक. कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के अनुपम पंवार और सचिन साह का चयन 10 लाख रुपये प्रतिवर्ष के पैकेज पर हुआ। चार छात्रों को 25 हजार रुपये प्रतिमाह के साथ इंटर्नशिप की पेशकश की गई है। सितंबर के पहले सप्ताह में पूर्वी गोयल को 16 लाख रुपये प्रतिवर्ष के पैकेज के साथ अगले सेमेस्टर के लिए 50 हजार प्रतिमाह की इंटर्नशिप मिली।

सौर ऊर्जा ही है भविष्य की ऊर्जा : ललित अवस्थी

एनआइटी उत्तराखंड के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग की ओर से सौर ऊर्जा के उपयोग पर कार्यशाला

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल: राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआइटी) उत्तराखंड श्रीनगर के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा सौर ऊर्जा और उसके उपयोग पर एक दिवसीय कार्यशाला विभाग के सभागार में आयोजित हुई। बतौर मुख्य अतिथि कार्यशाला को संबोधित करते हुए एनआइटी उत्तराखंड के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि पारंपरिक ऊर्जा के साधन धीरे-धीरे समाप्त हो रहे हैं। जिनके अधिक उपयोग से भी पर्यावरण पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। जलवायु परिवर्तन और उसके दुष्प्रभावों को इस असर में साफ देखा जा रहा है।

सौर ऊर्जा को लेकर एनआइटी श्रीनगर के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग की ओर से आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते विशेषज्ञ • जागरण

प्रो. ललित अवस्थी ने कहा कि सौर ऊर्जा ही भविष्य की ऊर्जा है। एनआइटी के शोध छात्रों का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि भारत की 50 प्रतिशत ऊर्जा आवश्यकताओं को नवीकरणीय संसाधनों से पूरा करने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लक्ष्य को पूरा करने को वह प्राथमिकता भी दें। कार्यशाला के मुख्य वक्ता और भारतीय सौर ऊर्जा निगम नई दिल्ली के प्रबंधक पद्मनारायण ने बतौर मुख्य वक्ता कहा कि भविष्य में कार्बन उत्सर्जन को कम करने और भारत में पीक लोड की मांग को पूरा करने को लेकर सौर ऊर्जा बहुत महत्वपूर्ण है। डा. प्रकाश द्विवेदी ने निदेशक प्रो. ललित अवस्थी, मुख्य वक्ता पदम नारायण और संस्थान की सभी फैकल्टियों, छात्र-छात्राओं का आभार व्यक्त किया।

इंजीनियर्स डे पर डीएम के साथ इंजीनियरों ने किया रक्तदान

जागरण संवाददाता, नई टिहरी : इंजीनियर्स डे पर जिलाधिकारी सौरभ गहरवार ने जिला अस्पताल बौराड़ी पहुंचकर रक्तदान किया। जिलाधिकारी के अलावा इंजीनियरों ने भी रक्तदान कर जन मानस को इसके प्रति जागरूक किया। जिला चिकित्सालय बौराड़ी में उत्तराखंड डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ शाखा टिहरी की ओर आयोजित रक्तदान शिविर में पहुंचकर जिलाधिकारी ने दीप प्रज्वलित कर शिविर का आरंभ किया। उन्होंने इंजीनियर्स एवं चिकित्सालय के कार्मिकों को बधाई दी। जिलाधिकारी ने कहा कि रक्तदान महादान है इससे हम किसी भी जरूरतमंद व्यक्ति की जान को बचा सकते है इसलिए व्यक्ति को अवश्य रक्तदान करना चाहिए। जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग प्रांतीय खण्ड बौराड़ी को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर सीएमओ डॉ. सजय जैन, सीएमएस जिला चिकित्सा बौराड़ी डा. अमित राय, अधिशासी अभियंता लोनिवि प्रांतीय खंड बौराड़ी दिनेश मोहन गुप्ता सहित अन्य इंजीनियर्स एवं चिकित्सालय के अधिकारी मौजूद थे।

गोपेश्वर में धूमधाम से मनाया गया अभियंता दिवस

संवाद सहयोगी, गोपेश्वर : उत्तराखंड इंजीनियर्स महासंघ की ओर से गोपेश्वर में अभियंता दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान महासंघ की ओर से रक्तदान, फल वितरण, गोष्ठी और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। गुरुवार को अभियंता दिवस पर आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत अधीक्षक अभियंता लोनिवि राजेश चंद्र शर्मा ने भारत रत्न इंजीनियर एमजी विश्वेश्वरैया व इं. आरके दत्ता के चित्रों पर माल्यार्पण व दीप जलाकर की। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि अभियंता के सम्मुख सदैव कठिन परिस्थितियों में बेहतर करने की चुनौती होती है। ऐसे में अभियंता को हमेशा सीमित संसाधनों में बेहतर करने का प्रयास करना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक दलों की ओर से रंगारंग प्रस्तुतियां दी गई। इस मौके पर जल संस्थान के अधीक्षक अभियंता सुशील कुमार सैनी, पेयजल निर्माण निगम के अधीक्षक अभियंता कपिल सिंह, महासंघ अध्यक्ष दिनेश चंद्र पुरोहित, सुरेश शाह, धनी लाल, लक्ष्मी कंडारी, अनूप कुमार, प्रतीक अग्रवाल, दीपक जुयाल आदि मौजूद थे।

देश के सतत विकास और एकता में हिंदी का महत्वपूर्ण योगदान

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल: राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआइटी) उत्तराखंड श्रीनगर के निदेशक की विशेष पहल पर संस्थान परिसर में 15 दिवसीय हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है। निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी, गढ़वाल केंद्रीय विवि के हिंदी विभाग की अध्यक्ष प्रो. मंजुला राणा ने दीप प्रज्वलित कर हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रमों की शुरुआत की। इस मौके पर एनआइटी के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि किसी देश की प्रगति में उसकी भाषा और संस्कृति का महत्वपूर्ण योगदान होता है। देश के सतत विकास में हिंदी ने सदा से ही अपना महत्वपूर्ण योगदान भी दिया है। इसीलिए हिंदी हमारी राजभाषा के साथ ही राष्ट्रीय एकता की भी भाषा है।

प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि हिंदी की व्यापकता को देखते हुए ही तकनीकी शिक्षा में भी इसके प्रयोग को सुनिश्चित किया जा रहा है। केंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा तकनीकी शिक्षा के प्रथम और द्वितीय वर्ष के अंग्रेजी भाषा के पाठ्यक्रमों का हिंदी में रूपांतरण का कार्य कराया गया है। इसके अतिरिक्त भारत सरकार ने पहल कर 11 क्षेत्रीय भाषाओं में भी पाठ्यक्रम उपलब्ध कराने की पहल की है। संस्थान द्वारा सारे पत्राचार अंग्रेजी के साथ ही हिंदी में भी किए जाते हैं। बतौर अतिथि वक्ता गढ़वाल केंद्रीय विवि के हिंदी विभाग की अध्यक्ष और साहित्यकार प्रो. मंजुला राणा ने हिंदी भाषा के उद्भव और विकास के साथ ही भारत की भाषाई विविधता पर भी चर्चा करते हुए कहा कि भारतीय भाषाओं में विविधता के बावजूद एकात्मकता का भाव निहित है। जिसके केंद्र में हिंदी है। एनआइटी के प्रभारी कुलसचिव डा. धर्मेंद्र त्रिपाठी ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। डा. हरिहरन मुथुस्वामी, डा. जीएस बरार, डा. लालता प्रसाद संकाय अध्यक्षों के साथ ही एनआइटी के राजभाषा प्रकोष्ठ के प्रभारी कमलकांत तिवारी और संस्थान की फैकल्टियां, कर्मचारी और छात्र शामिल हुए।

राष्ट्रीय एकता का मजबूत आधार है हिंदी : गुड्डी बिष्ट

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल : केंद्रीय गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग की ओर से आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन में गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग की फैकल्टी डा. गुड्डी बिष्ट ने विवि का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एकता और भाषायी समन्वय का मजबूत आधार है राजभाषा हिंदी। विश्व की प्राचीनतम और समृद्ध भाषाओं में हिंदी सर्वश्रेष्ठ है। सूरत गुजरात के पंडित दीनदयाल उपाध्याय इंडोर स्टेडियम में आयोजित दो दिवसीय हिंदी दिवस समारोह और द्वितीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन गुरुवार को संपन्न हो गया। डा. गुड्डी बिष्ट ने सम्मेलन के सभी नौ सत्रों में प्रतिभाग करते हुए अपने विचारों से दमदार उपस्थिति दर्ज कराई। गुरुवार शाम सत्र में प्रतिभाग करते हुए उन्होंने कहा कि हिंदी ही एक मात्र ऐसी भाषा है, जो युवाओं को गर्व की अनुभूति कराती है। उन्होंने गढ़वाल केंद्रीय विवि की ओर से राजभाषा हिंदी के विकास और प्रसार को लेकर किए जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी भी दी। द्वितीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बीते बुधवार को किया था।

कविता पाठ में ललिता व प्रश्नोतरी में शिवानी रही प्रथम

संवाद सूत्र, कंडीसौड़ : राजकीय महाविद्यालय कमांद में हिंदी पखवाड़ा के तहत विद्यालय में निबंध, कविता पाठ, एवं प्रश्नोतरी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कविता पाठ में ललिता व प्रश्नोतरी में शिवानी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। महाविद्यालय की प्राचार्य डा. गौरी सेवक ने दीप प्रज्वलित कर प्रतियोगिताओं का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा केवल हिंदी पखवाड़ा खानापूर्ति तक सीमित न रहे बल्कि एक भाषा के रूप में इसे विश्व गुरु की मान्यता एवं सर्व स्वीकार्यता प्रदान करने के लिए हम सबको प्रयास करना होगा। हिंदी की प्राध्यापक डा. बबिता भट्ट ने भी हिंदी भाषा के महत्व के बारे में बताया। कविता पाठ में प्रथम ललिता, द्वितीय अंकिता व तृतीय स्थान पर अशरूपी रही। प्रश्नोतरी में प्रथम शिवानी सिनवाल, द्वितीय शिवानी भट्ट एवं तृतीय स्थानी ललिता ने प्राप्त किया। निबंध प्रतियोगिता में शिवानी सिनवाल, आंचल एवं अंजली पंवार ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर प्राध्यापक डा. दीपक राणा, डा. प्रवीन मलिक, डा. बबीता भट्ट, डा. मनोज कुमार आदि मौजूद थे।

अमर उजाला, रविवार, 18 सितम्बर 2022, Page No.09.

185 छात्र-छात्राएं सम्मानित

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाया गया आईटीआई का दीक्षांत समारोह

संवाद न्यूज एजेंसी

श्रीनगर। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) में छात्राओं के स्वागत गान और रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुतियों के साथ दीक्षांत समारोह शुरू हुआ।

मुख्य अतिथि एनआईटी उत्तराखंड के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने नई शिक्षा नीति के बारे में तकनीकी और उद्यमिता की जानकारी दी।

इस दौरान उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कुल 185 छात्र-छात्राओं को प्रमाणपत्र और स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया। साथ ही प्रशिक्षणार्थियों को अपने कार्य क्षेत्र में बेहतर कार्य कर राष्ट्र के विकास में योगदान देने को प्रेरित किया।

समारोह के विशिष्ट अतिथि एनआईटी के कुलसचिव डा. धर्मेंद्र त्रिपाठी ने प्रशिक्षणार्थियों को नई तकनीक से अपडेट रहने के लिए विभिन्न पोर्टल एवं वेबसाइट की जानकारी दी। आईटीआई के प्रधानाचार्य संजीव कुमार ने कहा कि आईटीआई में पहली बार दीक्षांत समारोह आयोजित किया

समारोह का उद्घाटन करते एनआईटी के निदेशक व कुलसचिव। संवाद

एनआईटी के निदेशक ने दिए प्रमाणपत्र और स्मृति चिह्न

जा रहा है। अब हर सत्र में दीक्षांत समारोह का आयोजन किया जाएगा।

इस दौरान मुख्य अतिथि एनआईटी उत्तराखंड के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने द्विवर्षीय सत्र 2020-22 एवं एक वर्षीय प्रशिक्षण सत्र 2021-22 के विभिन्न व्यवसायों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले कुल 185 प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र व स्मृति चिह्न प्रदान किए। दीक्षांत समारोह में

समारोह में प्रस्तुति देतीं छात्राएं। संवाद

कार्यदेशक मथुरा प्रसाद मालकोटी सहित अनुदेशकगण व कर्मचारी मौजूद थे। संचालन शमीम अहमद तथा सह संचालन ओमप्रकाश नौटियाल ने किया

हिन्दुस्तान, रविवार, 18 सितम्बर 2022, Page No.05.

बेहतर कार्य करके दें विकास में योगदान: प्रो. अवस्थी

श्रीनगर। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) श्रीनगर में द्विवर्षीय सत्र 2020-22 एवं एक वर्षीय प्रशिक्षण सत्र 2021-22 के विभिन्न व्यावसायों में उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थियों को राष्ट्रीय व्यवसायिक प्रमाण पत्र प्रदान करने हेतु दीक्षांत समारोह का आयोजन धूमधाम के साथ किया गया। बतौर मुख्य अतिथि एनआईटी श्रीनगर के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने सरकार की नई शिक्षा नीति के बारे में तकनीकी शिक्षा और उद्यमिता के बारे में जानकारी दी। मौके पर एनआईटी के कुलसचिव डा. धर्मेंद्र त्रिपाठी, कार्यदेशक मथुरा प्रसाद मालकोटी आदि मौजूद थे।

रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की दी प्रस्तुति

श्रीनगर। दीक्षांत समारोह में आईटीआई में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी। जिससे समारोह में रौनक बनी रही।

दैनिक जागरण, सोमवार, 19 सितम्बर 2022, Page No.04.

स्वच्छता हैकथान प्रतियोगिता के विजेता छात्र-छात्राओं के साथ एनआइटी निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी • जागरण

एनआइटी के स्वच्छता हैकथान में राइंका प्रथम

- स्वच्छता पखवाड़ा के समापन पर स्वच्छता अभियान चलाया
- प्रतियोगिता में विजयी छात्रों को किया गया पुरस्कृत

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल: राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआइटी) श्रीनगर में आयोजित स्वच्छता पखवाड़ा के समापन पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाने के साथ ही स्वच्छता हैकथान के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया। स्वच्छता हैकथान प्रतियोगिता में राइंका श्रीनगर प्रथम रहा।

राइंका कीर्तिनगर ने दूसरा और राबाइंका श्रीनगर ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। एनआइटी के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने विजेताओं को संस्थान की ओर से पुरस्कार वितरित किए। मुख्य अतिथि निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि स्वच्छता पखवाड़े के समापन के साथ ही हमें इस अभियान को आगे भी इसी जोश के साथ जारी रखना है, जिससे स्वच्छता दिवस पर ली गयी शपथ को हम चरितार्थ कर सकें। प्रो. अवस्थी ने कहा कि दृढ़ इच्छाशक्ति ईमानदारी और लगन के साथ कार्य करना ही सफलता का मूल मंत्र है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता पखवाड़े के दौरान एनआइटी उत्तराखंड की ओर से आयोजित स्वच्छता हैकथान प्रतियोगिता स्वयं में एक अनूठा आयोजन भी रहा, जिसमें क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग करते हुए रोमांचक और अभिनव समाधानों को भी प्रदर्शित किया। एनआइटी के प्रभारी कुलसचिव डा. धर्मेंद्र त्रिपाठी, डा. हरिहरन मुथुस्वामी, डा. लालता प्रसाद, डा. जीएस बरार, चीफ वार्डन डा. आइएम नागपुरे और डा. नितिन शर्मा भी मौजूद थे।

दैनिक जागरण, शनिवार, 24 सितम्बर 2022, Page No.06.

स्कूली शिक्षकों को अपडेट करेगी एनआइटी फैकल्टी

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल: राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआइटी) उत्तराखंड, श्रीनगर के निदेशक के प्रयास परवान चढ़े तो एनआइटी की फैकल्टियां प्रदेश के स्कूलों के शिक्षकों को विभिन्न वैज्ञानिक और तकनीकी विषयों में प्रशिक्षण देते नजर आने लगेंगी।

इस कार्ययोजना के लिए एनआइटी के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने प्रदेश सरकार को एक प्रस्ताव भेजा है। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण में प्रदेश के स्कूलों के शिक्षकों को जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित के क्षेत्र में अपडेट और अन्य तकनीकी प्रशिक्षण एनआइटी की फैकल्टियों की ओर से दिया जाना प्रस्तावित है। विद्यालयी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए एनआइटी निदेशक प्रो. अवस्थी ने यह पहल की है।

एनआइटी निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि बीटेक में प्रवेश को लेकर 23 सितंबर से काउंसिलिंग शुरू हो चुकी है, जो आठ राउंड में चलेगी। काउंसिलिंग के छह राउंड जोसा और दो स्पेशल राउंड सीसेफ की ओर से आयोजित किया जा रहा है। काउंसिलिंग पूर्ण हो जाने पर प्रवेश पाए छात्रों को चार नवंबर से 9 नवंबर तक संस्थान में रिपोर्टिंग करनी होगी। निदेशक प्रो. अवस्थी ने बताया कि एनआइटी में बीटेक छात्रों का इंटेक 180 है, जिसमें 50 प्रतिशत सीटें उत्तराखंड के छात्रों के लिए आरक्षित हैं।

राष्ट्रीय सहारा, शनिवार, 24 सितम्बर 2022, Page No.05.

दीक्षांत समारोह में 483 छात्रों को मिलेगी उपाधि

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

श्रीनगर।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) उत्तराखंड का तीसरा दीक्षांत समारोह 26 सितम्बर को आयोजित होगा। इस मौके पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। साथ ही प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री डा. धन सिंह रावत भी मौजूद रहेंगे। दीक्षा समारोह में बीटेक, एमटेक व शोध छात्रों को उपाधि और गोल्ड मेडल से अंलकृत किया जायेगा।

समारोह को लेकर तैयारियां युद्ध स्तर पर चल रही है। शुक्रवार को पत्रकारों से वार्ता करते हुए एनआईटी उत्तराखंड के निदेशक प्रो.ललित अवस्थी ने बताया कि समारोह 26 सितम्बर की सुबह 11:30 बजे से एनआईटी परिसर मे शुरू होगा। कार्यक्रम का शुभारंभ केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान करेंगे जबकि इस दौरान प्रदेश के उच्च शिक्षा, शिक्षा, सहकारिता मंत्री डा. धन सिंह रावत भी मौजूद रहेंगे। दीक्षांत समोराह के को-ऑर्डिनेटर डा. योगेश प्रजापति ने बताया कि समारोह में 483 छात्रों को उपाधि से सम्मानित किया जायेगा। कार्यक्रम मे बीटेक (2021 व 2022 बैच) के 399, एमटेक (2021 व 2022 बैच) के 78 और पीएचडी के 6 छात्र-छात्राओं को डिग्रियां प्रदान की जायेगी। उन्होंने बताया कि दीक्षा समारोह में 159 छात्रों ने पंजीकरण करवाया है। समारोह में भारतीय संस्कृति के पहनावे में छात्र उपाधि लेते हुए नजर आएंगे। स्नातक और स्नातकोत्तर और शोध छात्र अलग-अलग रंगों में नजर आयेंगे जो कि दीक्षा समारोह का मुख्य आकर्षण का केंद्र भी रहेगा।

पत्रकारों से वार्ता करते एनआईटी के निदेशक।

समारोह में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान करेंगे प्रतिभाग

उन्होंने बताया कि छात्र के लिए सफेद रंग का कुर्ता पायजामे के साथ समारोह में उपस्थित होंगे। साथ में छात्रों को साड़ी और हाफ बास्केट भी पहनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि दीक्षांत समारो में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 9 बीटेक छात्रों और 12 एमटेक छात्रों को गोल्ड मेडल से अंलकृत किया जायेगा। इस मौके पर एनआईटी के डीन फैकल्टी डा. लालता प्रसाद आदि मौजूद थे।

अमर उजाला, शनिवार, 24 सितम्बर 2022, Page No.06.

एनआईटी के दीक्षांत समारोह में 483 छात्रों को देंगे डिग्री

निदेशक ने पत्रकार वार्ता में दी कार्यक्रम की जानकारी

संवाद न्यूज एजेंसी

श्रीनगर। 26 सितंबर को एनआईटी (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान) उत्तराखंड का तीसरा दीक्षांत समारोह आयोजित होगा। कोरोना संक्रमण की स्थिति सामान्य होने पर इस साल समारोह ऑफलाइन हो रहा है।

समारोह का शुभारंभ केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान करेंगे। उत्तराखंड के शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत और एनआईटी शासी निकाय (बीओजी) के अध्यक्ष डॉ. रविंद्र कुमार त्यागी कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। समारोह में दो सत्रों के 483 छात्र-छात्राओं को डिग्री वितरित की जाएगी।

पत्रकार वार्ता करते एनआईटी के निदेशक ललित कुमार अवस्थी। संवाद

यह जानकारी एनआईटी के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए दी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम प्रशासनिक भवन के प्रांगण में होगा और इसका लाइव प्रसारण भी होगा। उन्होंने बताया कि वर्ष 2009-10 में स्वीकृत एनआईटी में अभी तक वर्ष 2016 और 2021 में दीक्षांत समारोह हुए हैं। वर्ष 2021 में कोरोना संक्रमण के खतरे को देखते हुए ऑनलाइन डिग्रियां वितरित की गई थीं। समारोह में बीटेक के 399 (सत्र 2017-21 व सत्र 2018-22), एमटेक के 78 (सत्र 2019-21 व 2020-22) और पीएचडी के 6 छात्र-छात्राएं सम्मिलित हैं।

समारोह में दो निदेशक स्वर्ण पदक और 21 स्वर्ण पदक दिए जाएंगे। वार्ता में डीन अकादमी डॉ. लालथा प्रसाद, समारोह समन्वयक डॉ. योगेश प्रजापति मौजूद रहे।

अमर उजाला, शनिवार, 24 सितम्बर 2022, Page No.06.

बीटेक के लिए काउंसिलिंग शुरू

संवाद न्यूज एजेंसी

श्रीनगर। एनआईटी (राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान) उत्तराखंड में बीटेक पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए शुक्रवार से जोसा (संयुक्त सीट आवंटन प्राधिकरण) के माध्यम से ऑनलाइन काउंसिलिंग शुरू हो गई है। प्रथम चरण की काउंसिलिंग 26 सितंबर तक चलेगी।

पूरी प्रवेश प्रक्रिया आठ राउंड में होगी। अंतिम दो राउंड की प्रवेश प्रक्रिया सीसैब (केंद्रीय सीट आवंटन बोर्ड) के माध्यम से चलेगी। श्रीनगर स्थित एनआईटी उत्तराखंड में बीटेक के पांच पाठ्यकम (सिविल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रीकल, इलेक्ट्रॉनिक्स और कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग) संचालित हो रहे हैं।

पूर्व में प्रत्येक पाठ्यक्रम में 60 सीटों के हिसाब से कुल 300 सीटें निर्धारित थीं लेकिन जगह की कमी से सीटें घटा दी गईं। इस सत्र में कुल 180 सीटों में प्रवेश होगा। इनमें 50 प्रतिशत सीटें राज्य कोटे के तहत उत्तराखंड के छात्रों के लिए आरक्षित हैं। एनआईटी के निदेशक प्रो. एलके अवस्थी ने बताया कि शुक्रवार से प्रवेश के लिए अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग शुरू हो गई है।

प्रथम चरण की काउंसिलिंग 26 सितंबर तक चलेगी। प्रवेश के लिए आठ राउंड में काउंसिलिंग होगी। इसमें 6 चरण जोसा और 2 विशेष चरण सीसैब आयोजित करेगा। काउंसिलिंग प्रक्रिया समाप्त होने के बाद चार नवंबर से नौ नवंबर तक छात्रों की संस्थान में रिपोर्टिंग होगी।

राष्ट्रीय सहारा, शनिवार, 24 सितम्बर 2022, Page No.08.

केंद्रीय शिक्षा मंत्री 26 को करेंगे राज्य में एनईपी का आगाज

देहरादून (एसएनबी)। विद्यालयी शिक्षा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 लागू करने के बाद उत्तराखंड में आगामी 26 सितम्बर को उच्च शिक्षा में एनईपी-2020 विधिवत लागू हो जाएगी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान राज्य की उच्च शिक्षा में एनईपी-2020 का विधिवत शुरुआत करेंगे। प्रधान इसी दिन एनआईटी श्रीनगर गढ़वाल के दीक्षांत समारोह में भी भाग लेंगे तथा राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक प्रदीप नेगी के विद्यालय हरिद्वार पहुंचकर उनसे मुलाकात भी करेंगे।

- उच्च शिक्षा मंत्री रावत ने बैठक कर कार्यक्रम को दिया अंतिम रूप
- एनआईटी श्रीनगर के दीक्षांत समारोह में भी भाग लेंगे धर्मेंद्र प्रधान

उच्च शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत ने शुक्रवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के उत्तराखंड कार्यक्रम को अधिकारियों के साथ अंतिम रूप दिया। रावत ने बताया कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री 26 सितम्बर को मुख्यमंत्री आवास सभागार में उच्च शिक्षा विभाग के कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भाग लेंगे और राज्य की उच्च शिक्षा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का विधिवत उदघाटन करेंगे। इससे पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित राजकीय इंटर कलेज बीएचईएल के शिक्षक प्रदीप नेगी के विद्यालय पहुंचकर उनके अध्यापन कार्यों का अवलोकन करेंगे। इसके उपरांत वह श्रीनगर गढ़वाल में एनईटी के दीक्षांत समारोह में भी भाग लेंगे।

इसके अलावा राज्य अतिथि गृह बीजापुर में उच्च शिक्षा एवं विद्यालयी शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर विभागीय कार्यों की समीक्षा करेंगे। बैठक में सचिव उच्च शिक्षा शैलेश बगोली, अपर सचिव प्रशांत आर्य, एमएम सेमवाल, सलाहकार रूसा प्रो. एमएसएम रावत, प्रो. केडी पुरोहित, संयुक्त निदेशक आनंद सिंह उनियाल, निदेशक बेसिक शिक्षा वंदना गर्ब्याल, संयुक्त निदेशक विद्यालयी शिक्षा एसबी जोशी, सीईओ देहरादून डा. मुकुल सती सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

दैनिक जागरण, मंगलवार, 27 सितम्बर 2022, Page No.04.

483 छात्र-छात्राओं को मिली उपाधियां

एनआइटी के पीएचडी में छह, एमटेक में 78 व बीटेक में 399 छात्रों को दी उपाधियां

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल: राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआइटी) उत्तराखंड श्रीनगर के तीसरे तीसरा दीक्षा समारोह में 483 छात्र-छात्राओं को उपाधियां प्रदान की गईं। इसमें बीटेक 2021 बैच की वत्सला शुक्ला और 2022 बैच के मैकेनिकल इंजीनियरिंग के मोहित गुप्ता को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को बतौर मुख्य अतिथि आनलाइन दीक्षा समारोह को संबोधित करना था, लेकिन तकनीकी समस्या के कारण उनका संबोधन कुलसचिव ने पढ़ा। डा. त्यागी और प्रोफेसर डा. ललित कुमार अवस्थी ने छात्रों को उपाधियां वितरित की।

प्रभारी कुलसचिव डा. धर्मेंद्र त्रिपाठी के माध्यम से दीक्षा समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि छात्र अपने ज्ञान का उपयोग समाज की बेहतरी के लिए करें। छात्रों से स्टार्टअप इंडिया अभियान का हिस्सा बनने का आह्वान करते हुए धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि भविष्य के सफल उद्यमी बनने में आप पूर्ण रूप से सक्षम हैं, जिससे आप दूसरों को भी रोजगार दे सकेंगे। एनआइटी के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने संस्थान परिवार की ओर से केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और बीओजी चेयरमैन डा. आरके त्यागी का स्वागत किया।

कहा कि सभी हिमालयी राज्यों के लिए तकनीकी शिक्षा को लेकर एनआइटी उत्तराखंड एक माडल संस्थान बनेगा। कहा कि टेक्नोलाजी जीवन को बेहतर और श्रेष्ठ बनाती है। बोर्ड आफ गवर्नर्स के चेयरमैन डा. रविंद्र कुमार त्यागी ने कहा कि एनआइटी उत्तराखंड शीघ्र ही देश के टाप 50 संस्थानों में आ जाएगा। उन्होंने बताया कि दीक्षा समारोह में पीएचडी के छह, एमटेक के 78 और बीटेक के 399 समेत कुल 483 छात्र-छात्राओं को उपाधियां प्रदान की गईं। साथ ही दीक्षा समारोह में अंग्रेजों के जमाने से चली आ रही गाउन पहनने की परंपरा को बदलकर भारतीय परिधान का छात्रों ने ड्रेस कोड पहना।

दीक्षा समारोह में मेधावी छात्रा को स्वर्ण पदक प्रदान करते (बायें) से दूसरे बीओजी चेयरमैन डा. आरके त्यागी, एनआइटी निदेशक प्रो. ललित अवस्थी, गढ़वाल विवि कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल, एनआइटी हमीरपुर की प्रो. पंमिता अवस्थी • जागरण

आइएएस बनना चाहती है मेधावी वत्सला

श्रीनगर गढ़वाल: 2021 बीटेक बैच में एनआइटी की मेधावी छात्रा और देहरादून के मथुरावाला बगालीकोठी निवासी वत्सला शुक्ला को एनआइटी के दीक्षा समारोह में निदेशक स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। अपनी इस उपलब्धि का श्रेय वह अपने गुरुजनों और माता-पिता के आशीर्वाद को देती है। एशिएन स्कूल देहरादून से कक्षा 12 तक शिक्षा प्राप्त करने वाली वत्सला बीटेक में स्वर्ण पदक लेने के बाद अब सिविल सर्विसेज की तैयारी कर रही है। उसका लक्ष्य आइएएस अधिकारी बनने का है। 2022 बीटेक बैच में अल्मोड़ा के मूल निवासी मोहित गुप्ता को एनआइटी के दीक्षा समारोह में निदेशक स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। वर्तमान में वह गुड़गांव स्थित एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में बतौर बिजनेस टेक्नालाजी रिसर्च क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। मोहित की डिजाइनिंग के क्षेत्र में विशेष रुचि रही है।

596 करोड़ से बनेगा एनआइटी सुमाड़ी परिसर

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल: राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड एनआइटी के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि एनआइटी के सुमाड़ी परिसर के निर्माण की कुल लागत लगभग 596.75 करोड़ रुपये है। इन निर्माण कार्यों को करने के लिए एनआइटी ने निर्माणदायी संस्था एनबीसीसी को निविदा जारी करने की मंजूरी भी दे दी है।

निदेशक कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत में प्रो. ललित अवस्थी ने कहा कि सुमाड़ी में 60 एकड़ भूमि पर 1260 छात्रों के लिए पहले चरण का निर्माण कार्य शीघ्र शुरू करवाया जाएगा। श्रीनगर परिसर में दो चरणों में 78 करोड़ 45 लाख रुपये की लागत से निर्माण कार्य किए जा रहे हैं। जिसमें पहले चरण में बने एक ब्लाक हास्टल का उद्घाटन सोमवार को बीओजी चेयरमैन डा. रविंद्र कुमार त्यागी ने किया। 530 छात्रों की सुविधा के लिए हास्टलों का निर्माण अंतिम चरण में है। द्वितीय चरण में निदेशक, कुलसचिव, संकाय अध्यक्ष कार्यालयों के साथ ही क्लासरूम, इंडोर स्टेडियम के निर्माण होने हैं। जिनके ड्राइंग स्वीकृत कर दिए गए हैं। निदेशक प्रो. अवस्थी ने कहा कि एनआइटी में 4.6 करोड़ रुपये की लागत से अनुसंधान सुविधा का निर्माण किया जा रहा है। शोध कार्यों को लेकर प्रयोगशालाओं को और अधिक क्षमतावान बनाने तथा विकसित करने को लेकर संस्थान के नौ विभागों को साढ़े 12 करोड़ रुपये का आवंटन किया है। प्रो. अवस्थी ने कहा कि उत्तराखंड में माध्यमिक शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षा की गुणवत्ता विशेषकर भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित विषय में गुणवत्ता को और बढ़ाने को लेकर एनआइटी माध्यमिक शिक्षकों को प्रशिक्षित कर अपडेट करने की कार्ययोजना पर भी अमल करेगा। इसका प्रस्ताव संस्थान द्वारा स्वीकृति के लिए प्रदेश सरकार को भेजा गया है। एनआइटी के बोर्ड आफ गवर्नर्स के चेयरमैन डा. आरके त्यागी ने कहा कि छात्रों के लिए प्लेसमेंट को लेकर नामचीन और बहुराष्ट्रीय कंपनियां अभी श्रीनगर आने में आनाकानी करती हैं। उन्होंने कहा कि प्रयास है कि इस कार्य के लिए एनआइटी का एक उपकार्यालय देहरादून अथवा ऋषिकेश में खुलवाया जाए। डा. त्यागी ने कहा कि इंडस्ट्री विशेषकर आइटी क्षेत्र में उत्तराखंड के पास बंगलौर से भी बेहतर संसाधन हैं। एनआइटी संस्थान उत्तराखंड की तरक्की में अहम योगदान देगा।

वन अनुसंधान संस्थान
अनुसंधान एवं समन्वयक अनुभाग
(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद)
डाकघर न्यू फॉरेस्ट, देहरादून-248006

विज्ञापन संख्या 8-1/आर.सी.एस./2022 (सितंबर)

साक्षात्कार (Walk-in-Interview)

वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून की परियोजना में 01 रिसर्च एसोसिएट, 01 जूनियर रिसर्च फैलो 12 जूनियर प्रोजेक्ट फैलो, 08 परियोजना सहायक एवं 01 क्षेत्र सहायक को पूर्ण रूप से अस्थाई आधार पर फैलोशिप प्रदान करने हेतु दिनांक **06.10.2022 से 07.10.2022 और 11.10.2022 से 12.10.2022** को सुबह 09:00 बजे वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून (**मुख्य भवन का बोर्ड रूम**), डाकघर न्यू फॉरेस्ट देहरादून में साक्षात्कार (**Walk-in-Interview**) का आयोजन किया जाएगा।

साक्षात्कार में भाग लेने के लिए कोई यात्रा भत्ता/महंगाई भत्ता नहीं दिया जायेगा और न ही कोई अलग से बुलावा पत्र भेजा जाएगा। उपरोक्त फैलोशिप से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद की वैबसाईट (**www.icfre.gov.in**) और वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून की वैबसाईट (**https://fri.icfre.gov.in**) or (**fri.res.in**) पर देखी जा सकती है। सभी आवेदकों से अनुरोध है कि सम्बन्धित परियोजनाओं की साक्षात्कार की तिथियों के अनुसार आप अपना रजिस्ट्रेशन दिनांक 06.10.2022 से 07.10.2022 और 11.10.2022 से 12.10.2022 को सुबह 09:00 बजे मुख्य भवन के बोर्ड रूम में दर्ज कराये।

समूह समन्वयक (अनुसंधान),
वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

हिन्दुस्तान, मंगलवार, 27 सितम्बर 2022, Page No.01.

एनआईटी श्रीनगर के 483 छात्रों को मिलीं डिग्रियां

एनआईटी दीक्षांत समारोह

श्रीनगर, संवाददाता। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड (एनआईटी) के दीक्षांत समारोह में एनआईटी से पासआउट 483 छात्र-छात्राओं को डिग्रियां प्रदान की गईं। दो छात्रों को निदेशक पदक से सम्मानित किया गया। समारोह में 130 छात्र-छात्राएं ही डिग्रियां लेने के लिए पहुंचे। भारतीय परिधान पहने छात्रों द्वारा डिग्रियां प्राप्त करना आकर्षण का केन्द्र बना रहा।

केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रदान को समारोह में पहुंचाना था, अंतिम समय पर उनका दौरा रद हुआ। एनआईटी परिसर श्रीनगर में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि एनआईटी के चेयरमैन डॉ.रविन्द्र कुमार त्यागी ने डिग्रियां हासिल करने वाले सभी छात्र-छात्राओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड एनआईटी देश का सर्वश्रेष्ठ एनआईटी के रूप में उभर रहा है। उन्होंने केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को भारत के ऊर्जा परिवर्तन, राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद और एनईपी-2020 के बहुत प्रभावी कार्यान्वयन का श्रेय दिया। उन्होंने संस्थान में एनईपी-2022 के कार्यान्वयन, और स्थायी परिसर में संस्थान के बुनियादी ढांचे को विकसित करके संस्थान को अपनी पूरी ताकत से बढ़ाने के लिए प्रोफेसर अवस्थी के दृष्टिकोण की सराहना। साथ ही डॉ. त्यागी ने एनआईटी के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी द्वारा किये जा रहे कार्यों की सराहना की। दीक्षांत समारोह में एनआईटी के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा अभी तक बुनियादी सुविधाओं को विकसित करने की आवश्यकता एवं स्थापना के लिए हर संभव सहायता प्रदान करने के आश्वासन के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने डिग्री प्राप्त करने वाले छात्रों को करियर के लिए बधाई दी। आखिर में प्रभारी रजिस्ट्रार डॉ. धर्मेंद्र त्रिपाठी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

दीक्षांत समारोह में ये रहे मौजूद: प्रो ललिता प्रसाद, डीन एकेडिमक, डीन डॉ. गुरुबिन्द्र सिंह, डॉ. हरिहरण मुक्तद स्वामी, डॉ. कांति जैन, डॉ. कमल कुमार, डॉ. सारिका पाल, डॉ. सौरभ घोष, डॉ. रामपाल पांडेय, डॉ. रेनू डंगवाल, डॉ. एमएस खत्री, डॉ.कुलदीप शर्मा, डॉ.एस अग्रवाल,डॉ विनिता नेगी ,पंकज सती , गणेश भट्ट सहित एनआईटी का स्टॉफ मौजूद था।

एनआईटी श्रीनगर गढ़वाल के दीक्षांत समारोह के मौके पर सोमवार को डिग्री हासिल करने से पहले छात्र-छात्राओं ने शपथ ली। • हिन्दुस्तान

दीक्षांत समारोह में संबोधित करते निदेशक प्रोफेसर अवस्थी। • हिन्दुस्तान

78 छात्रों को दी गई दीक्षांत समारोह में एमटेक की डिग्री

एनआईटी श्रीनगर

- श्रीनगर में हुआ एनआईटी का तीसरा दीक्षांत समारोह
- एनआईटी के चेयरमैन बतौर मुख्य अतिथि हुए शामिल

06 छात्रों को समारोह में प्रदान की गई पीएचडी की डिग्री

02 वर्ष के पासआउट छात्र शामिल हुए समारोह में

एनआईटी निदेशक ने प्रस्तुत की रिपोर्ट

श्रीनगर। दीक्षांत समारोह में एनआईटी के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि संस्थान ने एनआईआरएफ 2022 में 55 संस्थानों की छलांग के साथ 131 रैंकिंग हासिल की है। इसके साथ ही नवाचार उपलब्धियों पर संस्थान की अटल रैंकिंग (एआरआईआईए) में भी सुधार हुआ है और संस्थान ने एआरआईआईए 2021 में प्रॉमिसिंग बैंड में अपना स्थान बनाया है। प्लेसमेंट सेशन 2021-22 के दौरान 75 फीसदी से ज्यादा छात्रों को औसतन नौ लाख के पैकेज पर रखा गया था। उन्होंने आगे बताया कि इस प्लेसमेंट सत्र के दौरान 05 छात्रों को 20 एलपीए के पैकेज से ऊपर और 40 छात्रों को 10 एलपीए और 20 एलपीए के बीच प्लेसमेंट मिला है। इसके अलावा, 2022 में छात्रों का औसत पैकेज पिछले वर्ष की तुलना में दोगुना हो गया है।

इन छात्रों को मिला गोल्ड मेडल

एनआईटी उत्तराखंड में छात्र एयू चंद, नेहा यादव, हनुमंत रवि, राधवेन्द्र नाथ यादव, शंभू प्रसाद, विकास, अंकृति, अलोक सिंह, अपूर्वा, आयुष राज, एन सेठी, हरे शकर, देवेन्द्र, रिमझिम, आशीष, आयुष, कौशल, मोहित, वात्सल, निखिल, पीवी कुमार आदि को गोल्ड मेडल मिला।

एनआईटी दून या ऋषिकेश में चाहता है ऑफिस

उम्मीद

- मनमोहन सिंघवाल

- रिमोट ऑफिस खुलने से प्लेसमेंट में मिलेगा छात्र छात्राओं को फायदा
- चेयरमैन डॉ. त्यागी ने उत्तराखंड सरकार से की गुजारिश

श्रीनगर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखंड चाहता है कि उत्तराखंड सरकार एनआईटी का एक रिमोट ऑफिस ऋषिकेश या देहरादून में खोले। ताकि एनआईटी उत्तराखंड से छात्र-छात्राओं को पढ़ाई के साथ-साथ प्लेसमेंट मिल सके और देश के बड़े-बड़े इंडस्ट्रीज को उत्तराखंड में बुलाने का अच्छा अवसर मिल सके।

इसके लिए एनआईटी को उत्तराखंड सरकार और शिक्षा विभाग के साथ मिलकर काम करने भी जरूरत भी बताई। ताकि आने वाले समय बैंगलुरु और कर्नाटक से अच्छा काम कर उत्तराखंड को देश का एक लीडिंग स्टेट बनाया जाए। श्रीनगर पहुंचे एनआईटी के चेयरमैन डॉ.आरके त्यागी ने उत्तराखंड सरकार से अनुरोध किया कि यदि हम चाहते है कि इंडस्ट्रीज यहां आये और हमारे इंजीनियर्स को अच्छा प्लेसमेंट मिले, तो इसके लिए हमें कुछ और प्रयास करने होंगे। जैसे आईएम लखनऊ और आईआईटी रूड़की का एक आफिस नोएडा में है। उसी तरीके से एनआईटी उत्तराखंड का एक आफिस देहरादून या ऋषिकेश में बना सके, तो इंडस्ट्रीज के लोगों को यहां बुलायेंगे और बच्चों को अच्छा प्लेसमेंट मिलेगा। इससे अच्छी नौकरियां मिलने से उत्तराखंड के बच्चों की तरक्की होने से स्टेट की भी तरक्की होगी। डॉ. त्यागी ने कहा कि रिमोट ऑफिस इसलिए खोलने की बात हो रही है, कुछ कंपनियां नौकरी देने में जल्दी करती है, उन्हें जल्दी इंटरव्यू करना होता है, तो ऐसे स्थिति में कई कंपनियों को यहां श्रीनगर लाने में दिक्कतें आ जाती है, तो ऐसे में देहरादून या ऋषिकेश में एनआईटी का रिमोट ऑफिस खुले तो जो कंपनियां यहां तक नहीं पहुंच पाती है तो उन्हें वहां रिमोट आफिस में बुलाकर यहां के बच्चों को साक्षात्कार करवाया जा सके। जिससे उन्हें अच्छी नौकरी मिल सके।

वत्सला और मोहित को निदेशक पदक

श्रीनगर। एनआईटी के दीक्षांत समारोह में बीटेक स्नातक बैच 2021 में उच्चतम सीजीपीए प्राप्त करने वाली इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग की छात्रा वत्सला शुक्ला और वर्ष 2022 के लिए यह सम्मान मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के मोहित गुप्ता को प्रदान किया गया। दीक्षांत समारोह में 483 छात्रों में से 130 छात्र ही समारोह में पहुंचे। कुलसचिव डॉ. धर्मेंद्र तिवाड़ी ने बताया कि कुछ छात्र मौसम खराब होने या जॉब होने के कारण नहीं आ पाए।

हिन्दुस्तान, मंगलवार, 27 सितम्बर 2022, Page No.01.

श्रीनगर में सोमवार को डिग्री हासिल करने के बाद छात्रों ने ग्रुप फोटो खिंचवाई।

अस्थाईपरिसरमेंकार्यों काशिलान्यास

श्रीनगर। दीक्षांत समारोह में श्रीनगर अस्थाई परिसर में 78.45 करोड़ के द्वितीय चरण के निर्माण कार्य का भी शिलान्यास किया गया। प्रो. अवस्थी ने सुमाड़ी में स्थायी परिसर में ढांचागत विकास के संदर्भ में कहा कि 60 एकड़ की भूमि पर 1260 छात्रों को समायोजित करने के लिए पहले चरण का निर्माण जल्द ही शुरू किया जाएगा, जिसकी कुल लागत 596.75 करोड़ रूपये है।

शिक्षकों को प्रशिक्षित करेगा एनआईटी

श्रीनगर । एनआईटी उत्तराखंड राज्य में शिक्षा के स्तर को बढ़ाने के लिए राज्य सरकार को उत्तराखड में वैज्ञानिक स्वभाव में वृद्धि एक एनईपी 2020 दृष्टिकोण पर एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के माध्यम से वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों को भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित विषयों में प्रशिक्षित करना है।

छात्र नामी संस्थानों से ले रहे उच्च शिक्षा

श्रीनगर । एनआईटी उत्तराखंड से पासआउट छात्रों को आईआईएससी बैंगलोर, आईआईटी और आईआईएम में पीएचडी, एमएस और एमबीए कार्यक्रमों में प्रवेश पाने के अलावा कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, टेक्सास विश्वविद्यालय, जॉर्जिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वाटरलू विश्वविद्यालय और मिशिगन टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी में मास्टर प्रोग्राम में प्रवेश मिला है।

गढ़वाल विवि की कुलपति भी रहीं मौजूद

श्रीनगर। एनआईटी उत्तरखंड श्रीनगर के दीक्षांत समारोह में गढवाल केंद्रीय विवि की कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल भी अपनी उपस्थिति दर्ज की गई। एनआईटी की ओर से उनकी उपस्थिति पर खुशी जताते हुए उनका आभार व्यक्त किया गया। प्रो.नौटियाल ने कहा कि एनआईटी के छात्रों को उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

हिन्दुस्तान, मंगलवार, 27 सितम्बर 2022, Page No.01.

कर्तव्य पथ पर चुनौतियों से पाएंगे पार: धर्मेंद्र प्रधान

श्रीनगर,संवाददाता। दीक्षांत समारोह में केन्द्रीय मंत्री को ऑनलाइन संबोधन करना था, लेकिन वह ऑनलाइन नहीं जुड़ पाए। कुलसचिव डॉ. धर्मेंद्र त्रिपाठी ने केन्द्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का छात्रों के नाम संदेश को पढ़ा।

अपने संदेश में धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि आज का दिन आपके लिए गर्व और खुशी का दिन है। यहां से आप एक नई यात्रा पर होंगे। आनंद और आनंद की अवधि समाप्त हो जाएगी और जीवन की कर्तव्य और चुनौतियों का दौर शुरू हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि इस प्रतिष्ठित संस्था से दिन-रात मेहनत करके जो ज्ञान प्राप्त किया है, वह आपको कभी निराश नहीं करेगा और आप अपने पेशे में सफल होंगे। आप अपने करियर में सफलता प्राप्त करने के साथ-साथ अपने परिवार, अपने प्रतिष्ठित संस्थान, मानवता और देश में नाम और प्रसिद्धि भी लाएंगे।

भारतीय संस्कृति में रंगा रहा एनआईटी

श्रीनगर। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान(एनआईटी) का दीक्षांत पूरी तरह से भारतीय संस्कृति के परिधानों में रंगा रहा। समारोह का श्रीगणेश और समापन वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हुआ। जबकि एनआईटी के छात्र-छात्राएं व शिक्षक भारतीय परिधानों में नजर आए। भारतीय परंपरा के अनुसार प्रोसेशनमें बैंड-बाजे बजाने के बजाय वैदिक मंत्रों की ध्वनि गूंजी। समारोह में डिग्री लेने वाले छात्र-छात्राएं, संकाय सदस्य गाउन और टोपी पहनने के बजाय भारतीय पोशाक पहने हुए दिखे।

अमर उजाला, मंगलवार, 27 सितम्बर 2022, Page No.09.

483 छात्रों को मिली इंजीनियरिंग की डिग्री

एनआईटी का दीक्षांत समारोह : बीटेक के दो छात्रों को निदेशक व 21 को दिया गया स्वर्ण पदक

संवाद न्यूज एजेंसी

श्रीनगर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) उत्तराखंड के तीसरे दीक्षांत समारोह में पीएचडी, एमटेक और बीटेक के 483 छात्र-छात्राओं को डिग्री वितरित की गई।

बीटेक के इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स के छात्रा वत्सला शुक्ला और मैकेनिकल के छात्र मोहित गुप्ता को निदेशक स्वर्ण पदक और 21 को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। सोमवार को एनआईटी के स्थायी परिसर में पूर्वाह्न 11.50 बजे से संस्थान का दीक्षांत समारोह शुरू हुआ।

वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ शोभायात्रा कार्यक्रम स्थल तक पहुंची। तत्पश्चात एनआईटी के बीओजी (शासी मंडल) अध्यक्ष रवींद्र कुमार त्यागी ने दीक्षांत समारोह के उद्घाटन की घोषणा की। इसे बाद एनआईटी के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने संस्थान की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

कार्यक्रम का उद्देश्य क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के माध्यम से माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों को भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित विषयों में प्रशिक्षित करना है। निदेशक ने सभी स्नातक छात्रों और पीएचडी डिग्री हासिल करने वाले छात्र-छात्राओं को संस्थान के राजदूत के रूप में कार्य करते हुए संस्थान और राष्ट्र के विकास में योगदान देने का आह्वान किया।

बीओजी के अध्यक्ष त्यागी ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि संस्थान देश के शीर्ष तकनीकी संस्थानों शुमार होगा। इसके बाद डिग्री और स्वर्ण पदकों का वितरण किया गया। समारोह में 6 पीएचडी, 78 एमटेक और 399 बीटेक डिग्री वितरित की गई। 160 छात्र-छात्राओं ने कार्यक्रम स्थल पर डिग्री ग्रहण की। इस अवसर पर बीओजी के सदस्य एनआईटी सिक्किम के निदेशक प्रो. एमसी गोविल, एचएनबी गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल और एनआईटी हमीरपुर की प्रो. पमिता अवस्थी आदि मौजूद रहे।

श्रीनगर एनआईटी उत्तराखंड में आयोजित दीक्षांत समारोह में छात्रा वत्सला शुक्ला को निदेशक पदक से सम्मानित करते अतिथि। संवाद

एनआईटी उत्तराखंड में तीसरे दीक्षांत समारोह का आयोजन

इन्हें मिला स्वर्ण पदक

बीटेक के 9 छात्र-छात्राओं देवेंद्र अधिकारी, वत्सला शुक्ला, रिमझिम गुप्ता, आशीष कुमार, निखिल सिंघल, पेडी वरुण कुमार, आयुष दीक्षित, कौशल देवराड़ी व मोहित गुप्ता और एमटेक के निकेती उदय चंद, नेहा यादव, हनुमंथु रवि तेजा, राघवेंद्र नाथ यादव, विकास खोल, अंकृति श्रीवास, अपूर्वा गंग, आयुष राज श्रीवास्तव, आलोक, नीलकुर्थि साहिथि व हरे शंकर।

द्वितीय चरण का शिलान्यास

दीक्षांत समारोह में एनआईटी के अस्थायी परिसर में निर्मित हॉस्टल का लोकार्पण और लगभग 48 करोड़ की लागत से होने वाले द्वितीय चरण के कार्यों का शिलान्यास किया गया। द्वितीय चरण में निदेशक, रजिस्ट्रार व डीन ऑफिस, क्लासरूम और इंडोर स्पोर्ट्स आदि का निर्माण होगा।

डिग्री मिलने के बाद पटकों को उछालकर खुशी का इजहार करते छात्र। संवाद

केंद्रीय शिक्षा मंत्री का संदेश पढ़कर सुनाया

दीक्षांत समारोह का उद्घाटन पहले केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को करना था लेकिन उनका कार्यक्रम स्थगित हो गया। मंत्री की अनुपस्थिति में प्रभारी कुलसचिव डॉ. धर्मेंद्र त्रिपाठी ने उनका संदेश पढ़ा।

भारतीय संस्कृति के अनुसार हुआ आयोजन

एनआईटी के दीक्षांत समारोह में पहली बार शोभयात्रा के आगमन और प्रस्थान पर वैदिक मंत्रोच्चारण हुआ वहीं छात्र-छात्राएं, शिक्षक और अतिथि पहली बार कुर्ता-पजामा और साड़ी में नजर आए।

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लिमिटेड

विक्टोरिया क्रॉस विजेता गबर सिंह ऊर्जा भवन, कांवली रोड, देहरादून

दूरभाष 0135-2763672-76, फैक्स: 0135-2760289, वेबसाइट: www.uktenders.gov.in

सूचना

एतद्द्वारा वितरण परिवर्तकों के मूल निर्माताओं को सूचित किया जाता है कि उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि0 देहरादून द्वारा भविष्य में (लगभग 3 माह उपरान्त), बी.आई.एस. ऊर्जा दक्षता स्तर-2(नया), 11/0.433के0वी, 25 के0वी0ए0, 63 के0वी0ए0, 100 के0वी0ए0, 250 के0वी0ए0 एवं 400 के0वी0ए0 वितरण परिवर्तकों को क्रय किये जाने की योजना है। अतः वितरण परिवर्तकों के निर्माता जो उपाकालि को उक्त परिवर्तकों की आपूर्ति करना चाहते हैं, से अनुरोध है उक्त परिवर्तकों हेतु उपाकालि के तकनीकी विशिष्टीकरण के अनुसार अपने परिवर्तकों का टाइप टेस्ट करवा लें। तकनीकी विशिष्टीकरण उपाकालि की वेबसाइट www.upcl.org पर उपलब्ध है।

अधीक्षण अभियन्ता,

No.: 396/EE(cm)/UPCL/A-2 Dt.: 26.09.2022 कारपोरेट (अनुबन्ध एवं क्रय-द्वितीय)

'राष्ट्र हित में बिजली बचायें' बिजली बचाने हेतु एल0ई0डी0 बल्ब का प्रयोग करें। (टोल फ्री नं0 1912) 'विद्युत बिलों के 24x7 ऑनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जाएँ'

राष्ट्रीय सहारा, मंगलवार, 27 सितम्बर 2022, Page No.05.

भविष्य के उद्यमी बनने के लिए आगे आएं एनआईटी के छात्र

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

श्रीनगर

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड का तीसरा दीक्षांत समारोह धूमधाम से आयोजित किया गया। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने ऑनलाइन माध्यम से दीक्षांत समारोह में हिस्सेदारी की। दीक्षांत समारोह में छह पीएचडी, 78 एमटेक व 399 बीटेक के छात्रों को डिग्रियां प्रदान की गयी। बीटेक स्नातक बैच 2021 में से उच्चतम सीजीपीए प्राप्त करने के लिए इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग की छात्रा वत्सला शुक्ला को निदेशक पदक से सम्मानित किया गया।

दीक्षांत समारोह

धूमधाम से आयोजित हुआ एनआईटी का तीसरा दीक्षांत समारोह

केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने ऑनलाइन दीक्षांत समारोह में लिया भागा

वर्ष 2022 के लिए यह सम्मान मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के मोहित गुप्ता को प्रदान किया गया। दीक्षांत समारोह की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच एक शानदार शैक्षणिक जुलूस के साथ हुई। दीक्षांत समारोह में केन्द्रीय शिक्षा मंत्री प्रधान ने छात्रों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग जैसी तकनीकों का उपयोग करके कम लागत वाले नवीन वैकल्पिक ऊर्जा मॉडल के डिजाइन और विकास, सेमीकंडक्टर चिप निर्माण के विशेष क्षेत्रों में नवाचार, कम लागत वाले चिकित्सा उपकरणों के विकास में नवाचार आदि के बारे में सोचने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने छात्रों को स्टार्ट-अप इंडिया अभियान का हिस्सा बनने और भविष्य के उद्यमी बनने के लिए आमंत्रित किया, ताकि दूसरों को रोजगार प्रदान किया जा सके जिससे न केवल आर्थिक सशक्तिकरण और रोजगार सृजन होगा, बल्कि पूर्वोदय और आत्मनिर्भर भारत भी बनेगा। केंद्रीय मंत्री ने एनईपी-2020 को लागू करने और अपने तीसरे दीक्षांत समारोह से भारतीय पोशाक अपनाने के लिए एनआईटी उत्तराखंड को बधाई दी।

उन्होंने आगे इस नए एनआईटी, जहां बुनियादी ढांचे का विकास प्रारंभिक अवस्था में है, को स्थापित करने के लिए हर संभव सहायता प्रदान की जायेगी।

बीओजी अध्यक्ष डा. रवीद्र कुमार त्यागी समारोह के सभी गणमान्य व्यक्तियों, छात्रों, उनके परिवार और दोस्तों और समारोह में उपस्थित सभी व्यक्तियों का स्वागत किया और सभी डिग्री प्राप्तकर्ताओं को उनके परिवार और दोस्तों के साथ, करियर में एक मील का पत्थर हासिल करने के लिए बधाई दी।

एनआईटी के निदेशक प्रोफेसर एलके अवस्थी ने संस्थान की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए संस्थान की हालिया उपलब्धियों की झलक पेश की।

उन्होंने जानकारी दी कि संस्थान ने एनआईआरएफ 2022 में 55 संस्थानों की छलांग के साथ 131 रैंकिंग हासिल की है। साथ ही नवाचार उपलब्धियों पर संस्थान की अटल रैंकिंग (एआरआईआईए) में भी सुधार हुआ है और संस्थान ने एआरआईआईए 2021 में प्रॉमिसिंग बैंड में अपना स्थान बनाया है।

दीक्षांत समारोह के समापन प्रभारी रजिस्ट्रार डॉ. धर्मेंद्र त्रिपाठी सभी का धन्यवाद दिया। इस मौके पर एनआईटी सिक्किम की निदेशक प्रो. एमसी गोविल, गढ़वाल विवि कुलपति प्रो.अन्नपूर्णा नौटियाल, पमिता अवस्थी आदि उपस्थित थे।

अब भारतीय परिधानों में होगा दीक्षांत समारोह

एनआईटी का दीक्षांत समारोह में पश्चिमी गाउन और कैप की जगह भारतीय परिधान कुर्ता और पयजामा का प्रयोग किया गया है। एनआईटी के निदेशक प्रो एलके अवस्थी ने बताया कि राष्ट्रीय गौरव की भावना को बढ़ावा देने के लिए आगामी सभी दीक्षांत समारोहों के लिए स्थायी रूप से भारतीय पोशाक को अपना लिया है ।

राष्ट्रीय सहारा, मंगलवार, 27 सितम्बर 2022, Page No.05.

श्रीनगर : उपाधि मिलने की खुशी में झूमतीं छात्राएं।

छात्रों को उपाधि देते अतिथि व अधिकारी।